Raga of the Month May 2025

Hindol Ragake Alpaprachalit Prakar

हिंडोल रागके अल्पप्रचलित प्रकार

हिंडोल एक पुराना राग होते हुए भी बहुत कम सुननेमें आता है। आज हम उसके कुछ अल्पप्रचलित प्रकारोंके बारेमें जानकारी लेंगे, तथा उनके ऑडिओज़ सुनेंगे। हिंडोल रागको अन्य रागोंके साथ जोडकर अनेक मिश्र राग निर्माण हुए है। जैसे की- हिंडोलबहार, बसंती-हिंडोल/ हिंडोल-बसंत, हिंडोलहेम, हिंडोलकल्याण, हिंडोलपंचम, हिंडोलसारंग, अजदहिंडोल/ यमनीहिंडोल, छाया-हिंडोल, साँझ/ सांझकी हिंडोल, संपूर्ण हिंडोल। पंडित भातखण्डेजीके "क्रमिक पुस्तक मालिका" या " संगीत पद्धति " किताबमे इन प्रकारोंकी चर्चा मिलती नहीं। निम्नलिखित किताबोंमे राग हिंडोलके कुछ प्रकारोंके बारेमें जानकारी मिलती है।

हिंडोलबहार- रागविज्ञान,रागव्याकरण, रागनिधि ;

हिंडोलहेम- रागव्याकरण;

हिंडोलपंचम- रसपिया बंदिशे;

साँझ/ सांझकी हिंडोल- रागनिधि, अप्रकाशित राग- पत्की ; भैरवके प्रकार- जयसुखलाल शाह।

राग अजदहिंडोल/ यमनीहिंडोल में हिंडोलके स्वरोंके साथ पंचमका प्रयोग करके हिंडोल और यमनका मिश्रण किया है।

राग साँझ/ सांझकी हिंडोल में हिंडोल रागकेही स्वरोंका प्रयोग किया जाता है। वादीभेदसे (गंधार वादी और निषाद संवादी) यह राग अपनी अलग पहचान रखता है। इसे हिंडोलका जवाब मानते हैं ; इसी कारण उसे सांझकी हिंडोल इस नामसेभी जाना जाता है।

आज के ऑडीओ मे हम राग हिंडोलके तीन प्रकार सुनेंगे। १. राग साँझ/ सांझकी हिंडोल - पं शिव कुमार शुक्ल (जो भेंडी बझार घरानेके उस्ताद अमान अली खाँ के प्रमुख शिष्य थे) ; २. राग हिंडोलकल्याण - उस्ताद अमीर खाँ और ३. राग हिंडोलबसंत - उस्ताद बड़े गुलाम अली खाँ।

आभार - पंडित यशवंत महाले

01-05 -2025.

Link to the list of 170+ "Raga of the month" articles

@ Archive of ROTM Articles https://oceanofragas.com/Raga_Of_Month_Alphabetically.aspx